ASTRO ARPITA NATH

काल सर्प योग - मथिक और तथ्य

Arpita Nath द्वारा · सामान्य ज्योतिष विषय · 2026-07-27

वैदिक ज्योतिष (Jyotish) में, बहुत कम ऐसे ग्रहीय संयोजन हैं जिनके इर्द-गिर्द **काल सर्प योग** (जिसे अक्सर **काल सर्प दोष** भी कहा जाता है) जितनी भ्रांतियां, जिज्ञासा और गलतफहमियां जुड़ी हों।

जब किसी को अपनी जन्म कुंडली (Kundli) में इस स्थिति का पता चलता है, तो वे अक्सर यह सोचकर डर जाते हैं कि उनका जीवन निरंतर संघर्षों के लिए ही बना है। हालांकि, कई नाटकीय ग्रहीय योगों की तरह, इसकी वास्तविकता कहीं अधिक सूक्ष्म है। यदि इसे सही ढंग से समझा जाए, तो काल सर्प योग कोई स्थायी अभिशाप होने के बजाय एक परिवर्तनकारी प्रेशर-कुकर की तरह अधिक कार्य करता है।

काल सर्प योग क्या है?

संस्कृत में, 'काल' का अर्थ समय या मृत्यु है, 'सर्प' का अर्थ सांप है और 'योग' का अर्थ संयोजन है।

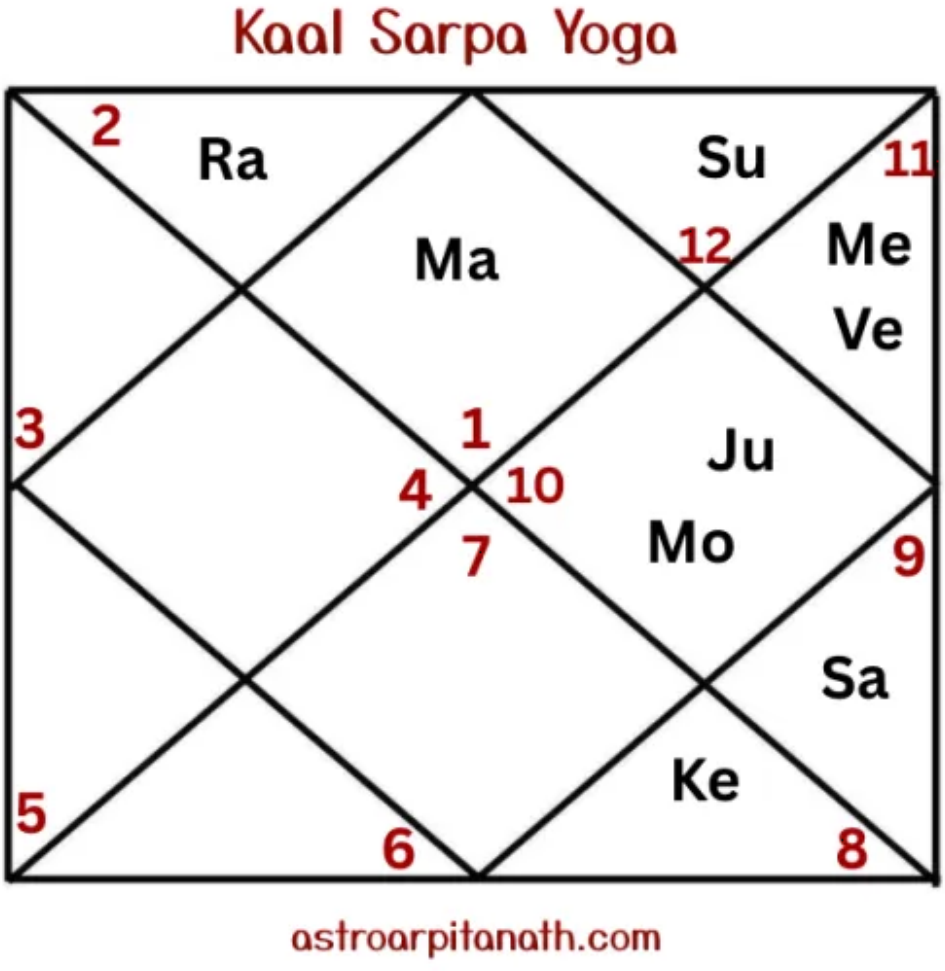

काल सर्प योग तब बनता है जब सभी सात भौतिक ग्रह (सूर्य, चंद्रमा, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र और शनि) जन्म कुंडली में एक ही

तरफ छाया ग्रह राहु (सर्प का सिर) और केतु (सर्प की पूंछ) के बीच फंस जाते हैं।

क्योंकि जन्म कुंडली का एक हिस्सा पूरी तरह से खाली रह जाता है, इसलिए ब्रह्मांडीय ऊर्जाएं अत्यधिक एकतरफा हो जाती हैं। इससे जीवन के कुछ विशिष्ट क्षेत्रों पर अत्यधिक एकाग्रता बन जाती है, जबकि जीवन के अन्य पहलू उपेक्षित या विलंबित महसूस होते हैं।

काल सर्प योग के 12 प्रकार

आपकी कुंडली में राहु और केतु किन भावों में स्थित हैं, इसके आधार पर काल सर्प योग 12 अलग-अलग रूप लेता है - जिनमें से प्रत्येक जीवन के एक अलग क्षेत्र को प्रभावित करता है:

1. अनंत: **प्रथम भाव में राहु, सप्तम में केतु** — पहचान, आत्मविश्वास और वैवाहिक जीवन को प्रभावित करता है।

2. कुलिक: **द्वितीय भाव में राहु, अष्टम में केतु** — परिवार, बचत और वाणी को प्रभावित करता है।

3. वासुकि: तृतीय भाव में राहु, नवम में केतु — साहस, भाई-बहनों और विश्वास प्रणालियों को प्रभावित करता है।

4. शंखपाल: चतुर्थ भाव में राहु, दशम में केतु — घरेलू शांति, माता और करियर की स्थिरता को प्रभावित करता है।

5. पद्म: पंचम भाव में राहु, एकादश में केतु — बुद्धि, संतान और प्रेम संबंधों की स्थिरता को प्रभावित करता है।

6. महापद्म: छठे भाव में राहु, द्वादश में केतु — स्वास्थ्य, शत्रुओं पर विजय और खर्चों को प्रभावित करता है।

7. तक्षक: सप्तम भाव में राहु, प्रथम में केतु — व्यापारिक साझेदारी और वैवाहिक तालमेल को प्रभावित करता है।

8. कर्कोटक: अष्टम भाव में राहु, द्वितीय में केतु — संयुक्त संपत्ति, अचानक होने वाली घटनाओं और आंतरिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है।

9. शंखनाद: नवम भाव में राहु, तृतीय में केतु — भाग्य, पिता के साथ संबंध और उच्च शिक्षा को प्रभावित करता है।

10. घातक: दशम भाव में राहु, चतुर्थ में केतु — व्यावसायिक उन्नति और मान-प्रतिष्ठा को प्रभावित करता है।

11. विषधर: एकादश भाव में राहु, पंचम में केतु — वित्तीय लाभ, सामाजिक नेटवर्क और स्मरण शक्ति को प्रभावित करता है।

12. शेषनाग: द्वादश भाव में राहु, छठे में केतु — नींद, विदेश यात्रा और गुप्त खर्चों को प्रभावित करता है।

भ्रांति बनाम वास्तविकता

• **भ्रांति**: "मेरा पूरा जीवन बर्बाद हो जाएगा।"

• **तथ्य**: काल सर्प योग आमतौर पर अलग-अलग चरणों में प्रकट होता है। जीवन का पहला भाग (सामान्यतः 33 से 36 वर्ष की आयु तक) अक्सर चुनौतीपूर्ण या संघर्षों से भरा लगता है, लेकिन दूसरा भाग अक्सर अत्यधिक स्थिरता, उन्नति और परिपक्वता लेकर आता है।

• **भ्रांति**: "इस योग के साथ कोई सफलता संभव नहीं है।"

• **तथ्य**: इतिहास के कुछ सबसे प्रभावशाली नेताओं, कलाकारों और दूरदर्शी विचारकों की कुंडली में काल सर्प योग था। इस ग्रहीय स्थिति से उत्पन्न होने वाली तीव्र एकाग्रता अक्सर असाधारण दृढ़ संकल्प और युगांतकारी उपलब्धियों को जन्म देती है।

•

भ्रांति: "राहु को छूने वाला कोई भी ग्रह इस योग को तोड़ देता है।"

• **तथ्य**: यदि एक भी ग्रह राहु-केतु अक्ष के बाहर निकल जाता है, तो यह योग तकनीकी रूप से निष्प्रभावी हो जाता है या एक अपूर्ण रूप (आंशिक काल सर्प योग) में बदल जाता है, जिसका प्रभाव काफी कम होता है।

काल सर्प योग का वरदान: दृढ़ता और दक्षता

यद्यपि यह स्थिति जीवन के शुरुआती दौर में अचानक उतार-चढ़ाव, भावनात्मक अशांति या विलंबित फल दे सकती है, परंतु इसका अंतिम उद्देश्य आत्मा का विकास करना है। यह आपको सरल भाग्य के बजाय आंतरिक शक्ति पर निर्भर रहना सिखाती है।

एक बार जब आप इसकी तीव्र ऊर्जा को संभालना सीख जाते हैं, तो काल सर्प योग असाधारण एकाग्रता, गहन अंतर्ज्ञान और जीवन की हर चुनौती के बाद और अधिक मजबूत होकर उभरने की अद्वितीय क्षमता प्रदान करता है।

---

https://astroarpitanath.com/hindi/kaal-sarp-yoga/

ज्योतिष केवल मार्गदर्शन के लिए प्रदान किया जाता है। जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए, कृपया किसी योग्य पेशेवर से परामर्श लें।